साहित में उचापिंड, संघोल, उत्तर प्रदेश में आलमगीरपुर हरियाणा में जिला हिसार में, बनवाली, सुतकागेंडोर (Sutkagendor) (पाकिस्तान में बलूचिस्तान के पूर्वी तट के पास) नर्मदा और ताप्ती की घाटियों तथा जम्मू और कश्मीर के जिला अखनूर में मांडा आदि के स्थानों पर इस ~~सभ~~ सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार यह सभ्यता पूर्व पश्चिम तक लगभग 1600 किमी तथा उत्तर से ~~दक्षि~~ दक्षिण की ओर 1400 किमी के क्षेत्र में फैली हुई थी। यह बात आश्चर्यजनक है। हड़प्पा की सभ्यता, लगभग 12,50,000 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैली हुई थी तथा इस सभ्यता के स्थान नदियों के किनारे पर स्थित थे।

इन स्थानों के विस्तार से पता चलता है की

(i) केवल चालीस स्थान सिंधु नदी तथा उसकी सहायक नदियों के किनारे स्थित हैं।

(ii) लगभग 1100 स्थान (80 प्रतिशत) गंगा तथा सिंधु के मैदानों में स्थित हैं। इनमें से बहुत से गुजरात, महाराष्ट्र में हैं।

(iii) लगभग 250 स्थान सरस्वती नदि से परे स्थित हैं। ऐसा प्रतीत होता है की हड़प्पा का केंद्र सिंधु ~~हड़प्पा नदि व~~ नदि नहि था बल्कि ~~सरस~~ सरस्वती